डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी

Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

अक्टूबर 2025 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 8, अंक 02

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े द्वारा संविधान पार्क में स्वामी विवेकानंद व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की प्रतिमाओं का अनावरण एवं 363 खेजड़ी पौधों का सामूहिक रोपण सम्पन्न (विस्तृत समाचार पृष्ठ – 05 पर)

इस अंक में ....

- आयुर्वेद विश्वविद्यालय में प्रदेश की पहली उच्च गुणवत्ता ड्रग टेस्टिंग लैब स्थापित
- विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित
- विधायक शिक्षा का साथी योजना के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम आयोजित
- विदेशियों को आयुर्वेद से इलाज सिखाएंगे, विश्वविद्यालय में इंटर्नशिप करेंगे यूरोप के छात्र, पंचकर्म और क्षारसूत्र की लेंगे ट्रेनिंग
- विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
- पूर्व कुलगुरू प्रो. प्रजापति ने संभाला अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक का पदभार
- पूर्व कुलपति प्रो. वैद्य बनवारी लाल गौड़ धन्वंतरि अवार्ड से सम्मानित

RAJBIL/2017/74087

कुलगुरू सन्देश ....

आयुर्वेद भारत की अमूल्य धरोहर है और सौभाग्य से मुझे भारत के प्रथम आयुष विश्वविद्यालय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय का नेतृत्व करने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ है। नगरीय कोलाहल से दूर प्रकृति के सुरम्य वातावरण में हरियाली से आच्छादित यह परिसर विगत अनेक वर्षों से रोगियों की सेवा में तत्पर है।

मुझे यह कहते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यहां के कर्मशील अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण अपने अथक प्रयासों से विश्वविद्यालय को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित करने हेतु निरंतर परिश्रम कर रहे हैं। जोधपुर नगर एवं नगरीय सीमा से दूर ग्रामीण क्षेत्र में अनवरत चिकित्सा शिविरों के माध्यम से आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं योग व प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सक, शोधार्थी, नर्सिंग कर्मचारी उत्साहपूर्वक स्वास्थ्य संरक्षण एवं जन–जन में आयुष चिकित्सा को प्रसारित करने के पुनीत कार्य में सन्नद्ध हैं। प्रतिमासिक स्वर्णप्राशनसंस्कार के शिविरों ने संपूर्ण भारत में इस विश्वविद्यालय को एक विशिष्ट ख्याति प्रदान की है। वर्तमान में हमारे विश्वविद्यालय का भारत के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू हुआ है और इन अनुबंधों के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनेक संकाय सदस्य विद्यार्थियों के साथ मिलकर अनेक शोध परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं जिससे इस विश्वविद्यालय की शोध परम्परा निश्चित रूप से प्रवृद्ध हुई है। इसके अतिरिक्त मानव संसाधन विकास केंद्र निरंतर आयोजित की जा रही शैक्षणिक गतिविधियों द्वारा इस विश्वविद्यालय शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों के समुचित व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण के साथ–साथ विद्यार्थी अनेक प्रकार की इतर गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए संस्था को गौरव प्रदान कर रहे हैं। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की योगासन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर छात्रा डॉ. कृष्णा द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर मैं भूरि भूरि प्रशंसा करता हूँ। विश्वविद्यालय में एक संयमित एवं अनुशासित वातावरण है।

इस प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में प्रावीण्य के साथ–साथ यह विश्वविद्यालय व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु संपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। इस हेतु विश्वविद्यालय कुटुंब के प्रत्येक सदस्य को साधुवाद प्रेषित करता हूँ।

(प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल)
कुलगुरू

विश्वविद्यालय में भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों पर हुआ विचार–विमर्श

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में दिनांक 01 जुलाई 2025 को एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजस्थान क्षेत्र के संपर्क प्रमुख श्याम मनोहर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को वर्तमान युग में जीवंत रखने के संबंध में संवाद स्थापित करना था। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्यों तथा पीजी अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने विचार व सुझाव साझा किए। इस अवसर पर कुलगुरु ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय संस्कृति केवल परंपराओं का संग्रह नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति है, जो संतुलित, संयमित एवं समरस समाज की रचना करती है। शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि श्री श्याम मनोहर ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति की आत्मा उसके सामाजिक मूल्य हैं, जिनमें कर्त्तव्यबोध, सेवा, सहिष्णुता और राष्ट्रभक्ति सर्वोपरि हैं। आज आवश्यकता है कि युवा वर्ग इन मूल्यों को आत्मसात करे और समाज के प्रति अपनी भूमिका को समझे। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, वर्तमान प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, फार्मेसी निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, उपकुलसचिव डॉ. मनोज अदलखा, रिसर्च डीन प्रो. देवेन्द्र सिंह चाहर सहित अनेक गणमान्य अधिकारी व संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

औषधीय पौधों पर विश्वविद्यालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर और अन्य संस्थान मिलकर शोध करेंगे

पश्चिमी राजस्थान औषधीय पौधों का हब है। इन पौधों पर अनुसंधान की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन अब तक इस क्षेत्र में असंगठित रूप से काम चल रहा है। अब कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर दिनांक 04 जुलाई 2025 को वन हेल्थ की पहल करते हुए औषधीय पौधों पर पहली बार संयुक्त रूप से डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय व विदेशी संस्थान, प्योर फॉरेस्ट्री प्रमोशन नेटवर्क, स्विट्जरलैंड के साथ मिलकर कार्य करेगा। इस प्रोजेक्ट पर कार्य करने के लिए स्विट्जरलैंड, इजिप्ट व यूगांडा से आए विदेशी प्रतिनिधियों ने दोनों विश्वविद्यालयों में पांच दिवसीय दौरा किया। साथ ही प्रोजेक्ट से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बैठक के दौरान चर्चा की। बैठक के दौरान वित्त नियंत्रक अंजलि यादव, परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ. कृष्णा सहारण, विदेशी प्रतिनिधियों में रोलैंड फुटिंग, अध्यक्ष, एपीएन, स्विट्जरलैंड, लकी मुकासा, कृषि कंसल्टेंट, यूगांडा, मिस अंगेला हॉफमैन, सेकेएम, डॉ. साबेर

हॅंदावी हेलियोपास यूनिवर्सिटी, इजिप्ट, नाहला मोहम्मद, रेहान इब्राहिम एवं परियोजना समन्वयक कुमार नीरज मौजूद रहे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. अरुण कुमार ने बताया कि वन हेल्थ प्रोजेक्ट में वन हेल्थ संकल्पना, मिट्टी, पशु एवं मानव के सम्मिलित स्वास्थ्य से जुड़ी है। इसके लिए तीनों संस्थाएं आपसी सहयोग से मिलकर काम करेंगी। इस प्रोजेक्ट के तहत हानिकारक रासायनिक उर्वरक के बढ़ते दुष्प्रभाव को देखते हुए औषधीय पौधों की पूरी तरह प्राकृतिक तरीके से पैदावार की जाएगी। बैठक में मौजूद आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि यह संयुक्त शोध परियोजना वैश्विक स्वास्थ्य और एवं पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा की दिशा में अत्यंत लाभकारी साबित होगी। प्रोजेक्ट के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप पगारिया ने बताया कि इस संयुक्त शोध परियोजना में अश्वगंधा, शंखपुष्पी, सनाय, गोखरू, शतावरी, ग्वार पाठा, लेमनग्रास व अन्य औषधीय घासों पर काम किया जाएगा। इन पर आधारित क्लिनिकल ट्रायल भी किये जाएंगे।

विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण और व्यक्तित्व विकास के दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम संपन्न

विश्वविद्यालय में इंडियन रेड क्रॉस यूनिट तथा मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा वार्षिक कैलेंडर के अंतर्गत 08 जुलाई 2025 को दो विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। प्रथम कार्यक्रम के रूप में इंडियन रेड क्रॉस यूनिट द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन केंद्रीय पुस्तकालय के सामने स्थित लॉन में किया गया। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अर्जुन के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसायटी के समन्वयक एवं मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, सह समन्वयक डॉ. मनोज अदलखा, द्रव्यगुण विभाग के डा. राजेंद्र पूर्विया एवं डॉ. नरेंद्र सिंह राजपूत ने भी पौधारोपण में सहभागिता निभाई। साथ ही केंद्रीय पुस्तकालय का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

दूसरे कार्यक्रम में रंगायन कार्यक्रम श्रृंखला अंतर्गत मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि युवा वर्ग में प्रभावी संप्रेषण कौशल का विकास आज के समय की महति आवश्यकता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को सशक्त करते हैं। इस अवसर पर पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, यूसीएच के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर, सीएचआरडी होम्योपैथी समन्वयक डॉ. राजीव खन्ना एवं डॉ. नरेन पटवा सहित कई संकाय सदस्य उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. वृषाली बराब्दे एवं डॉ. नरेन पटवा शामिल रहे। प्रतियोगिता में बीएचएमएस के अमित ने प्रथम, बीएचएमएस के दिलीप ने द्वितीय तथा बीएएमएस के रोहित चौहान एवं बीएचएमएस की पूर्वी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी महाविद्यालय, जयपुर द्वारा चिकित्सा शिविर आयोजित

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी महाविद्यालय, जयपुर द्वारा दिनांक 8 जुलाई 2025 को बालाजी मन्दिर, 12 मील वाटिका, जयपुर में एक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी महाविद्यालय, जयपुर द्वारा प्लेसमेण्ट शिविर आयोजित

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी महाविद्यालय, जयपुर द्वारा दिनांक 10 जुलाई 2025 को इसके परिसर स्थित सेमिनार हॉल में एक प्लेसमेण्ट शिविर आयोजित किया गया । उक्त शिविर हेरिटेज हैल्थ इन्श्योरेन्स टीपीए के संयुक्त तत्त्वावधान में होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारियों के प्लेसमेण्ट के लिये आयोजित किया गया।

कुलगुरू द्वारा जिला आयुर्वेद चिकित्सालय, कोटा में सौन्दर्य चिकित्सा इकाई का शुभारम्भ

जिला आयुर्वेद चिकित्सालय तलवंडी में निशुल्क सौंदर्य प्रसाधन विशिष्ट इकाई का शुभारंभ दिनांक 09 जुलाई 2025 को द्रव्यगुण विभाग के सानिध्य में कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद डॉ. मोहनलाल वर्मा, ब्यूटी क्लिनिक प्रभारी डॉ. अनुपमा चतुर्वेदी, चिकित्सालय प्रभारी वैद्य अंजना शर्मा, डाइट मेथडॉलोजी की विशेषज्ञ डॉ. ममता प्रजापति, डॉ. निरंजन गौतम, डॉ. विष्णु चंद्र जोशी, डॉ. हरिओम मीना, डॉ. पवन सोनी की उपस्थिति में किया गया। प्राचार्य डॉ. नित्यानंद शर्मा ने बताया कि हर्बल ब्यूटी क्लीनिक में महिलाओं व पुरुषों की सौंदर्य सम्बन्धी समस्याओं का आयुर्वेदिक उपचार किया जाएगा। इसके अंतर्गत कील मुंहासे, चेहरे की झाइयां, बालों की समस्या, चर्म रोग इत्यादि का ईलाज आयुर्वेदिक हर्बल औषधियों से किया जाएगा।

नागार्जुन फार्मेसी में कुलगुरू ने किया अत्याधुनिक मशीनों का लोकार्पण

विश्वविद्यालय की नागार्जुन फार्मेसी के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत दिनांक 11 जुलाई 2025 को अत्याधुनिक मशीनों का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फार्मेसी निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी एवं फार्मेसी असिस्टेंट इंचार्ज डॉ. संगीता इन्दौरिया द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय गुणवत्ता, मानक और नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और इन सभी पहलुओं को शोध एवं शिक्षण में समाहित करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। नागार्जुन फार्मेसी परिसर में गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर कुलगुरू वैद्य प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा ग्रेनुलेटर मशीन, एंड रनर मशीन सहित अन्य अत्याधुनिक यंत्रों का विधिवत लोकार्पण किया गया। कुलगुरू प्रो. प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि इन नवीन मशीनों की स्थापना से आयुर्वेद विद्यार्थियों को औषध निर्माण की आधुनिक तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उनकी व्यावहारिक दक्षता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। इस अवसर पर पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह, विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव एवं रसशास्त्र एवम् भैषज्य कल्पना विभागाध्यक्ष प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. राजाराम अग्रवाल सहित विभाग के स्नातकोत्तर अध्येता, पूर्व नर्सिंग स्टाफ रामगोपाल सारण एवं नेमाराम राव तथा समस्त रसायनशाला स्टाफ उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में प्रावृटीय बस्तिकर्म चिकित्सा शिविर शुरू

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोतर पंचकर्म विभाग में ऋतु अनुसार मनाए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 18 जुलाई 2025 को प्रावृटीय (वर्षा) बस्ति कर्म चिकित्सा शिविर का विधिवत् शुभारंभ कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के कर कमलों द्वारा किया गया। स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा ने बताया कि आयुर्वेद में वर्षा ऋतुचर्या के दौरान बस्ति को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस का उद्देश्य वात दोष को संतुलित करना होता है। वात दोष इस मौसम में प्रकुपित हो जाता है एवं पाचक अग्नि कमजोर हो जाती है, जिससे विषाक्त पदार्थों का कुशलतापूर्वक निष्कासन बाधित होता है। बस्ति कर्म बृहदान्त्र को शुद्ध करने, संचित विषाक्त पदार्थों को निकालने और पाचन तंत्र को मजबूत करने में सहायक होता है। यह शरीर को पोषण प्रदान करता है, प्रतिरक्षा को बढ़ाता है, और समग्र स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करता है। इस मासपर्यंत हुए शिविर में स्वस्थ एवं रोगी के स्वास्थ्य रक्षणार्थ बस्ति चिकित्सा शिविर, स्नातक छात्र–छात्राओं पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता, बस्ति उपयोगी द्रव्यों की प्रदर्शनी, पंचकर्म उपयोगी पादपों का वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संजीवनी चिकित्सालय अधीक्षक एवं विभागाध्यक्ष रोग विकृति एवं विज्ञान प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, विभागाध्यक्ष स्नातकोत्तर पंचकर्म डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचला राम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित एवं स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के समस्त पी.जी. अध्येता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय द्वारा कृषि महाविद्यालय में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय के संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा दिनांक 19 जुलाई 2025 को कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. प्रियंका कपूर, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सैनी द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं। इस शिविर में कुल 45 विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी, खांसी, जुखाम, सिर दर्द, आंखों का रोग, चर्म रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, जोड़ो का दर्द, थॉयराइड, माइग्रेन, कमर दर्द, गठिया एवं मधुमेह आदि से ग्रसित रोगियों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। शिविर

के दौरान कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. जे आर वर्मा और डॉ. कृष्णा सहारण (शिविर प्रभारी) का सहयोग रहा।

500 से अधिक मरीजों को मिला लाभः केकड़ी में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर

22 जुलाई 2025 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी, केकड़ी द्वारा माननीय विधायक श्री शत्रुघ्न गौतम जी के जन्मदिवस के अवसर पर कृषि उपज मंडी, जयपुर रोड, केकड़ी में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में लगभग 500 मरीजों ने लाभ उठाया। सर्दी, खांसी, जोड़ों का दर्द, स्त्री एवं शिशु रोगों से संबंधित मरीजों की जाँच कर उन्हें निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियाँ और स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया। शिविर का संचालन प्रभारी डॉ. अंशुल चाहर द्वारा किया गया। चिकित्सकों की टीम में प्राचार्य एवं चिकित्सालय अधीक्षक डॉ पुनीत आर शाह,डॉ. राजेश कुमार मीणा, डॉ. संगीता जैन, डॉ. अंजलि ठाकुर, डॉ. देवेंद्र कुमार नामा, डॉ. गौरव गुप्ता, डॉ. कंचन अटोलिया, डॉ. इतिका खत्री एवं डॉ. खुशबू यादव ने अपनी सेवाएँ दीं।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े द्वारा सविधान पार्क में स्वामी विवेकानंद व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की प्रतिमाओं का अनावरण एवं 363 खेजड़ी पौधों का सामूहिक रोपण सम्पन्न

विश्वविद्यालय परिसर में स्थित संविधान पार्क में 23 जुलाई बुधवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्वामी विवेकानन्द एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की प्रतिमाओं का अनावरण तथा शहीद अमृता देवी विश्नोई की स्मृति में खेजड़ी के 363 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया । यह प्रेरणादायी कार्यक्रम माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागड़े की गरिमामयी मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। उनके साथ इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि यह आयोजन न केवल हमारे महापुरुषों की स्मृति को साकार करने का एक प्रयास है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और शहीद अमृता देवी जैसे पर्यावरण रक्षकों के बलिदान को नमन करने का पवित्र अवसर भी है। खेजड़ी राजस्थान की धरोहर है और इसका सामूहिक रोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। उल्लेखनीय है कि सभी 363 पौधों का रोपण एक साथ कुलाधिपति बागड़े की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ, जो अपने आप में एक अद्वितीय आयोजन है।

निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय के संघटक संजीवनी होम्योपैथी चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दिनांक 24 जुलाई 2025 को अनुबंध–वृद्धाश्रम में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें उप चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. मनाली त्यागी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रदीप कुमार झा ने अपनी सेवाएँ देते हुए 31 वृद्धजनों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया। शिविर में खाँसी, बुखार, गले में समस्या आदि मौसमी बीमारियों, जोड़ों के दर्द, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसे बीमारियों की जानकारी एवं दवाईयाँ देकर लाभान्वित किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा जोधपुर शहर के 12 केन्द्रों पर पुष्यनक्षत्र योग में हुआ स्वर्णप्राशन

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्वर्णप्राशन कार्यक्रम दिनांक 25 जुलाई 2025 को प्रतिमाह की भांति पुष्यनक्षत्र योग में जोधपुर के विभिन्न केन्द्रों यथा एम्स, जोधपुर की आयुष ओपीडी में, जालोरी गेट के निकट शनिश्चर थान, सम्राट अशोक उद्यान के सामने भवानी आदर्श विद्या मंदिर, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश गृह–नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर बालगृह, विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड़, गोद–ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय, विक्टोरियन किड्स स्कूल चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, मोकलावास एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में आयोजित किया गया। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि आम जनता में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सैकड़ों की संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को नियमित रूप से स्वर्णप्राशन ड्रॉप्स पिलाने के लिये आ रहे हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल ने विभिन्न केन्द्रों पर चिकित्सकों एवं स्नातकोत्तर सुचारु रूप से व्यवस्था के लिये अध्येताओं की ड्यूटी लगाकर कार्य सम्पादन करने के लिए निर्देशित किया।

कलाश्रम आयुर्वेद कॉलेज, उदयपुर द्वारा स्वर्णप्राशन शिविर का आयोजन

कला आश्रम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, गोगुन्दा, उदयपुर द्वारा चिकित्सालय परिसर में 25.07.2025 को निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर का आयोजन पुष्य नक्षत्र में किया गया। यह बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास की वृद्धि करने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता में लाभदायक है। पुष्य नक्षत्र के दिन स्वर्णप्राशन कराना फायदेमंद माना गया है। शिविर में 12 बच्चों का स्वर्णप्राशन कराया गया।

कलाश्रम आयुर्वेद कॉलेज, उदयपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम

कला आश्रम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज परिसर में शैक्षणिक स्टॉफ एवं विद्यार्थियों द्वारा दिनांक 26 जुलाई 2025 से 10 अगस्त 2025 तक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कुल 80 पौधे लगाये गये और उनकी सार संभाल का जिम्मा लिया।

हरियालो राजस्थान अभियान में सघन वृक्षारोपण कर विश्वविद्यालय ने निभाई सक्रिय भूमिका

कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामय उपस्थिति में हरियाळो राजस्थान एवं रेड क्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 26 जुलाई 2025 को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कुल 500 आंवले के पौधों का रोपण किया गया। नगर निगम जोधपुर द्वारा हरियाळो राजस्थान अभियान के अंतर्गत 750 पौधों का वितरण किया गया, जिसे जनसहभागिता के माध्यम से आमजन को प्रदान किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु ने कहा कि हरियाळो राजस्थान जैसे अभियान समाज को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनाते हैं। आज लगाए गए पौधे कल को छाया, फल और प्राणवायु देंगे। हमें न केवल पौधे लगाने चाहिए, बल्कि उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने सभी संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, नगर निगम तथा रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और अपील की कि हर व्यक्ति अधिक से अधिक पौधों का रोपण करे और उन्हें जीवित भी रखे। इस अवसर पर कुलसचिव श्रीमान अखिलेश कुमार पिपल, प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, पूर्व कुलसचिव एवं रसशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ला, फार्मेसी निदेशक डॉ विजयपाल त्यागी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, उपकुलसचिव डॉ. मनोज अदलखा, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, क्रिया शारीर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश शर्मा, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया, डॉ. दिनेश राय, डॉ. नरेन्द्रसिंह, डॉ निकिता पंवार एवं सभी संकाय सदस्य एवं छात्र उपस्थित रहे।

चरक जयंती पर लिया फैटी लीवर मुक्त भरतपुर अभियान चलाए जाने का संकल्प

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के मुख्य विद्वान् एवं चरक संहिता जनक महर्षि चरकाचार्य के जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में 27 जुलाई 2025 को जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किए जाने के लिए फैटी लीवर मुक्त भरतपुर अभियान चलाए जाने का संकल्प प्राचार्य डॉ. यशपाल सिंह, उपाधीक्षक डॉ. चन्द्र प्रकाश दीक्षित, प्रधान चिकित्सक डॉ. रीना खंडेलवाल की मौजूदगी में लिया गया। महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में रंगोली प्रतियोगिता में ज्योति, पूजा कोमल, प्रियंका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह डिबेट में शिखा, गार्गी ने, कविता लेखन में कनिष्का खंडेलवाल, गायन में लक्ष्मण सुधार, ग्रुप नृत्य में हर्षिता सोनी, संधिका सैनी, श्लोक पाठन में अंकित एवं मिमिक्री में हिमांशु सैनी एवं पोस्टर बनाने में छवि को प्रथम स्थान मिला।

उपाधीक्षक डॉ. चन्द्र प्रकाश दीक्षित ने बताया कि खान–पान एवं जीवन शैली के प्रति बरती जा रही लापरवाही की वजह से फैटी लीवर की बढ़ती परेशानी बहुत ही चिंता का विषय है। आमजन को संतुलित खान–पान व संयमित जीवन शैली के प्रति जागरुक किया जाए तो फैटी लीवर होने की संभावना से अधिकांशतः बचा जा सकता है। इस दिशा में विभिन्न सामाजिक संगठनों का सहयोग लेकर फैटी लीवर मुक्त भरतपुर अभियान चलाया जाकर आमजन को जागरुक किया जाएगा। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हुए सीनियर कंपाउंडर पप्पू

राम गुप्ता को दुपट्टा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन तनु गुप्ता एवं विवेक द्वारा किया गया। बालरोग विशेषज्ञ डॉ. अरविन्द शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया

विश्वविद्यालय के संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा दिनांक 28 जुलाई 2025 को जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें होम्योपैथी की विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सपना सालोदिया, डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राकेश कुमार मीना द्वारा मण्डोर गार्डन में विश्व हेपिटाइटिस दिवस के अवसर पर लगभग 158 लोगों को हेपेटाइटिस के प्रति जागरुक किया गया। लोगों को सम्बोधित करते हुए विशेषज्ञों ने बताया कि विश्व हेपेटाइटिस दिवस हर साल 28 जुलाई को मनाया जाता है। इस रोग में यकृत में सूजन हो जाती है जो मुख्य रूप से वायरस संक्रमण के कारण होती है।

चरक जयंती साप्ताहिक समारोह का भव्य शुभारंभ

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के मौलिक सिद्धांत विभाग एवं विश्व आयुर्वेद परिषद के संयुक्त तत्त्वावधान में चरक जयंती साप्ताहिक समारोह का शुभारंभ दिनांक 29 जुलाई 2025 को समारोहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर उद्‌घाटन सत्र का आरम्भ चरक जयंती सप्ताह के ब्रॉशर विमोचन और चरक शपथ के साथ हुआ, जिसे संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों, विभागाध्यक्षों एवं परिषद् के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। ब्रॉशर में सप्ताह भर चलने वाले विविध आयुर्वेदिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, व्याख्यानों एवं प्रतियोगिताओं की रूपरेखा दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने महर्षि चरक के जीवन, उनके चिकित्सा विज्ञान में योगदान, चरक संहिता की वैश्विक महत्ता और दैनिक जीवन में अपनाए जाने वाले एथिक्स पर विस्तृत प्रकाश डाला। मौलिक सिद्धांत विभागाध्यक्ष प्रो. देवेंद्र सिंह चाहर ने साप्ताहिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई एवं कहा कि महर्षि चरक न केवल आयुर्वेद के महान आचार्य थे, बल्कि वे चिकित्सा नीति और जीवनशैली संबंधी मूल्यों के भी प्रणेता थे। विश्व आयुर्वेद परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने बताया कि प्रतिदिन चरक संहिता अध्ययन कर इसके सिद्धांतों की सहभागिता को फिर से भारत को विश्वगुरू बनाने की दिशा में उपयोग करें। विश्व आयुर्वेद परिषद के राजस्थान प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा ने परिषद द्वारा की जा रही गतिविधियों पर प्रकाश डाला। डीन आयुर्वेद संकाय प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा ने धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, हॉस्पिटल अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, मौलिक सिद्धांत विभाग की सभी फैकल्टी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कुणाल ओझा, असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. रामेश्वर डूडी, डॉ. संकल्प शर्मा, सतीश ठाकुर एवं बड़ी संख्या में पीजी एवं यूजी छात्र उपस्थित रहे।

होम्योपैथी के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा होम्योपैथिक महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ष के छात्रों को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बालसमंद में दिनांक 29 जुलाई 2025 को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर ने बताया कि राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली द्वारा कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में यह भ्रमण करवाना निर्धारित है। सहायक आचार्य रेपर्टरी विभाग डॉ. नरेंन पटवा एवं सहायक आचार्य पैथोलॉजी विभाग डॉ. अंकिता आचार्य, सहायक आचार्य कम्युनिटी मेडिसिन विभाग डॉ. राकेश कुमार मीना द्वारा यह भ्रमण सम्पादित कराया गया। इस भ्रमण में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा अधिकारी डॉ. काजल वर्मा ने बच्चों को टीकाकरण और गर्भनिरोधक दवाओं के बारे में बताया और बच्चों और स्त्रियों में होने वाले रोगों के बारे में जानकारी दी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर होने वाली सभी जांचों के बारे में भी जानकारी दी गई।

गोद ग्राम सालवा कलां एवं केलावा कलां में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

यूनिवर्सिटी सोशल रेस्पॉसिबिलिटी के चतुर्थ चरण के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए ग्राम सालवा कलां एवं केलावा कलां में दिनांक 30 जुलाई 2025 को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के प्रति जनजागरुकता बढ़ाना था। इस अवसर पर डॉ. अमित गहलोत सहायक नोडल अधिकारी एवं सहायक प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत खेजड़ी और आंवला जैसे पौधों का रोपण किया गया, जो न केवल पर्यावरण के लिए उपयोगी हैं, बल्कि आयुर्वेद चिकित्सा में भी बहुप्रयुक्त हैं। शिविर के सफल आयोजन में डॉ. रमेश बुढ़ानिया एवं डॉ. मनोज मथुरिया स्नातकोत्तर अध्येता, रचना शारीर विभाग एवं श्यामलाल विश्नोई योग सहायक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चरक जयन्ती सप्ताह समारोहः तीन चरणों में हुई राज्य स्तरीय आयुर्वेद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

दिनांक 2 अगस्त 2025 को कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन एवं मौलिक सिद्धांत विभाग और विश्व आयुर्वेद परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में चरक जयन्ती सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला के अंतर्गत राज्य स्तरीय आयुर्वेद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जोधपुर, उदयपुर, सीकर, कोटा, सरदारशहर, रेनवाल, चौमू एवं बीकानेर सहित विभिन्न जिलों के आयुर्वेद महाविद्यालयों की कुल दस टीमों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी तीन चरणों में आयोजित की गई, जिनके पश्चात उदयपुर, बीकानेर और सरदारशहर, रेनवाल और जोधपुर की टीमों का चयन अगले राउंड के लिए किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ मौलिक सिद्धांत विभागाध्यक्ष प्रो देवेंद्र सिंह चाहर ने किया। उन्होंने कहा कि चरक सप्ताह के अंतर्गत इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्रों में शास्त्रीय ज्ञान की अभिवृद्धि करना एवं उन्हें अकादमिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। प्रतियोगिता का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कुणाल ओझा एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रामेश्वर डूडी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. संगीता इंदौरिया, डॉ. गजेंद्र दुबे एवं डॉ. निकिता पवार ने शिक्षण–जज की भूमिका निभाई और प्रतिभागी छात्रों के उत्तरों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। पहले राउंड की समाप्ति पर बीकानेर की गवर्नमेंट आयुर्वेदिक कॉलेज से डॉ. पवन यादव एवं उदयपुर से डॉ. अंकित चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्तनपान जागरुकता शिविर का आयोजन

दिनांक 5 अगस्त 2025 को गोद ग्राम सालवा कलां में विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में सीसीआरएएस प्रोजेक्ट–स्मार्ट 2.0 इफेक्टिवनेस एंड सेफ्टी ऑफ आयुष एसएस ग्रैन्यूल्स (कोडेड आयुर्वेदा फॉर्मुलेशन) इन मैनेजमेंट ऑफ लैक्टेशन इंसफिशिएंसी ए प्रॉस्पेक्टिव सिंगल आर्म मल्टी सेंट्रिक ट्रायल के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप का आयोजन प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, चिकित्सालय प्रभारी प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता एवं सीसीआरएएस प्रोजेक्ट के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. रश्मि शर्मा के दिशा–निर्देशन में हुआ। शिविर प्रभारी वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता डॉ. कंचन चोयल ने स्तनपान कराने वाली महिलाओं को लैक्टेशन इनसफिशियंसी (दूध कम आने की समस्या) के कारण, समाधान और सही उपाय, डॉक्टर से कब मिलना चाहिए आदि के बारे में अवगत कराया। शिविर में गर्भवती एवं स्तनक्षय से ग्रसित 60 से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुई। शिविर में इंटर्न डॉ. काजल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. निखिल खंडेलवाल एवं डॉ. रमेश कुमार का योगदान रहा।

आर्मी जवानों के लिए छह दिवसीय योग सत्र का आयोजन

दिनांक 4 अगस्त 2025 को 59 रेजिमेंट आर्मी शिकारगढ़ में जवानों व उनके परिजनों के लिए विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। यह योग सत्र 4 अगस्त से 9 अगस्त

तक चला। इस सत्र के माध्यम से सेना के जवानों को योग, प्राणायाम एवं ध्यान के अभ्यास करवाए गये जिससे उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से उन्हें स्वस्थ रखने में लाभ मिलेगा। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेस के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय की योग टीम द्वारा सेना के परिवारजनों के लिए भी लघु अवधि के योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ 59 एफडब्लूओ की चेयरपर्सन शिखा सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल सैनिकों और उनके परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायक है। सत्र का संचालन डॉ. अजीत सिंह चारण तथा छात्र–छात्राओं श्रीजन शर्मा, हर्षिता शर्मा और लक्षिता शर्मा द्वारा किया गया। सभी ने मिलकर प्रतिभागियों को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से योगाभ्यास करवाया।

केंद्रीय विद्यालय आईआईटी में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

दिनांक 5 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय द्वारा केंद्रीय विद्यालय आईआईटी जोधपुर में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल के नेतृत्व में पांच सदस्यीय चिकित्सक दल द्वारा आयोजित किया किया गया। आयोजन में सहायक आचार्य डॉ. शहादत खान, डॉ. अशोक यादव एवं पीजी अध्येता डॉ. कृष्णा, डॉ. पल्लवी मुंजाल, डॉ. योगेश रत्न ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्वास्थ्य परीक्षण के अंतर्गत विद्यार्थियों का रक्तचाप, रक्त शर्करा स्तर, नाड़ी गति, नेत्र, कान, नाक, दंत एवं अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विद्यार्थियों को संतुलित आहार लेने, जंक फूड से परहेज करने तथा पोषण युक्त थाली अपनाने हेतु भी प्रेरित किया गया। शिविर के प्रथम दिन कुल 144 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें से 46 विद्यार्थियों का रक्त समूह (ब्लड) परीक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया। विद्यालय की प्राचार्या समरीन कादरी ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय संगठन के दिशा–निर्देशानुसार प्रतिवर्ष दो बार सभी विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की जाती है, एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुझावों से अभिभावकों को भी अवगत कराया जाता है। कार्यक्रम प्रभारी एवं शारीरिक शिक्षक डॉ. खीवराज मेहरा ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को योग, सूर्य नमस्कार एवं प्रातः भ्रमण को दैनिक जीवन में शामिल करने की प्रेरणा दी। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने हेतु स्क्रीन टाइम को सीमित करने का भी सुझाव दिया।

विद्यार्थियों को बताए शोध प्रकाशन के व्यवहारिक गुर

दिनांक 8 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र (सीएचआरडी) द्वारा विश्वविद्यालय की संघटक इकाइयों के स्नातकोत्तर अध्येता एवं शिक्षकों के लिए दो दिवसीय जर्नल क्लब सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में ट्रांसडिसिप्लनरी फाऊण्डेशन, नई दिल्ली के सीईओ डॉ. रंजू एंथनी ने प्रतिभागियों को अनुसंधान प्रक्रिया, शोध आलेख लेखन, उपयुक्त पत्रिका का चयन, सहकर्मी समीक्षा प्रणाली और उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशन के सूत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि जर्नल क्लब केवल एक मंच नहीं, अपितु यह एक बौद्धिक प्रयोगशाला है जहां विचारों को चुनौती दी जाती है, उनका विश्लेषण होता है और उन्हें वैज्ञानिक स्वरूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि आधुनिक अनुसंधान की गुणवत्ता जर्नल क्लब जैसे प्रशिक्षण सत्रों से ही विकसित होती है। यह प्रयास विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध मानकों की दिशा में अग्रसर करता है। शोध केवल प्रकाशन हेतु नहीं, बल्कि समाज में प्रभावी परिवर्तन लाने हेतु होना चाहिए। हमारा लक्ष्य है कि हमारे विद्यार्थी और शिक्षक अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करें। सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश शर्मा ने डॉ. रंजू एंथनी का स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया एवं इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की अपील की। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद जोधपुर के प्राचार्य प्रो चंदन सिंह, पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, पूर्व प्राचार्य प्रो महेंद्र कुमार शर्मा, प्रो हरीश सिंघल, प्रो राजेश गुप्ता, डॉ. श्योराम शर्मा, डॉ. साकेत, डॉ. यशस्वी, डॉ. पीके झा सहित सभी संकाय सदस्य एवं स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

RAJBIL/2017/74087

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत महिलाओं को किया जागरुक

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, महाविद्यालय के कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा दिनांक 7 अगस्त 2025 को स्तनपान जागरुकता शिविर आयोजन किया गया। इसमें होम्योपैथी के विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. निशा सिसोदिया, डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राकेश कुमार मीना द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र मण्डोर एवं मण्डोर गार्डन के आस पास में विश्व स्तनपान जागरुकता सप्ताह के अवसर पर रैली के माध्यम से महिलाओं को स्तनपान के प्रति जागरुक किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र मंडोर में महिलाओं को डॉ. निशा सिसोदिया, डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राकेश कुमार मीना ने स्तनपान करने हेतु प्रोत्साहन एवं इसके फायदे बताते हुए कहा कि मां के दूध में शिशु को बढ़ाने के लिए आवश्यकता तत्व पाए जाते हैं। मां का दूध पूर्ण आहार है जो कि शिशु को रोगों से बचाता है एवं बुद्धि का विकास करता है। यह माता और शिशु के बीच भावनात्मक संबंध बनाता है। नवजात शिशु के लिए पीला, गाढ़ा चिपचिपा दूध जिसे कोलोस्ट्रम कहते हैं, जन्म के तुरन्त एक घंटे के भीतर ही शुरू कर देना चाहिए। डॉ. अंकिता आचार्य एवं डॉ. राकेश कुमार मीना ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि छह महीने तक सिर्फ स्तनपान व दो वर्ष तक स्तनपान के साथ पौष्टिक पूरक आहार भी देना चाहिए। स्तनपान कराने की अवधि में मां को भी पौष्टिक आहार ही लेना चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्र में स्तनपान कराने वाली 26 महिलाएं उपस्थित रहीं तथा स्तनपान से सम्बंधित उनकी समस्याओं का निवारण होम्योपैथिक विशेषज्ञों द्वारा किया गया।

नशामुक्ति अभियानान्तर्गत जागरुकता शिविर आयोजित

दिनांक 13 अगस्त 2025 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, महाविद्यालय के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा माननीय राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार नशामुक्ति जागरुकता शिविर का आयोजित किये जाने के निर्देशों की अनुपालना में विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. नरेन पटवा, डॉ. राकेश कुमार मीना एवं डॉ. हर्षित चौधरी द्वारा दिनांक 12 अगस्त 2025 को संजीवनी होम्योपैथिक चिकित्सालय, जोधपुर में नशामुक्ति अभियान के अवसर पर लगभग 118 लोगों को नशामुक्ति के प्रति जागरुक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति परिवार के साथ समाज को भी प्रभावित करता है। युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा नशे की लत से पीड़ित है। नशे को देश से मुक्त बनाने के लिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए और इससे होने वाली हानियों के विषय में जानकर खुद को एवं अपने परिवार को नशे से दूर रखना चाहिए। नशा इंसान के शरीर और मन दोनों को खोखला कर देता है। होम्योपैथी के स्नातक छात्रों ने पोस्टर के माध्यम से लोगों में नशे की लत से बचाने और इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया।

विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग सप्ताह का आयोजन

दिनांक 13 अगस्त 2025 को कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में एंटी रैगिंग वीक एवं विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत एंटी रैगिंग दिवस के रूप में हुई, जो 18 अगस्त तक विभिन्न गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान जागरुकता व्याख्यान, निबंध लेखन, स्किट एवं रैली, डिजिटल पोस्टर प्रस्तुति, रील और वीडियो प्रस्तुति सहित अनेक प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य छात्रों में रैगिंग के प्रति जागरुकता बढ़ाना और आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर कुलगुरू ने अपने संबोधन में कहा कि रैगिंग जैसी प्रवृत्तियां शिक्षा और संस्कार के वातावरण को आहत करती हैं। विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वह छात्रों में अनुशासन, सम्मान और भाईचारे की भावना विकसित करे। एंटी रैगिंग वीक जैसी गतिविधियां न केवल जागरुकता बढ़ाती हैं बल्कि छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम में एंटी रैगिंग नोडल अधिकारी डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, एनएसएस नोडल अधिकारी डॉ. श्योराम शर्मा, पीजी अध्येता डॉ. पवित्रा, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह, पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, अस्पताल अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, संकाय सदस्य, पीजी अध्येता सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में प्रदेश की पहली उच्च गुणवत्ता ड्रग टेस्टिंग लैब स्थापित

विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता वाली ड्रग टेस्टिंग लैबोरेट्री (डीटीएल) स्थापित की गई है। लेबोरेट्री हेतु करीब 6.50 करोड़ रुपए के उपकरण व मशीन क्रय किये गये हैं। इससे समस्त प्रकार की आयुर्वेद दवाओं की टेस्टिंग और उनका विश्लेषण हो सकेगा। किसी आयुर्वेद दवाई जैसे तुलसी, गिलोय इत्यादि में कौनसा संक्रिय तत्त्व है और कितनी मात्रा में है, पता चल सकेगा। इससे जोधपुर में विश्वविद्यालय की ओर से आयुर्वेदिक दवाइयों पर प्रामाणिकता की मुहर लग सकेगी। अब तक गाजियाबाद, सीसीआरएएस झांसी, जीवन रेखा फार्मेसी औरंगाबाद, आइआइटी कानपुर, आइआइटी जोधपुर, कल्टिवेटर फार्मेसी जोधपुर सहित कई स्थानों पर जांच के लिए आयुर्वेदिक मेडिसिन के नमूने भेजे जाते थे। कहीं पर कोई जांच होती थी तो कहीं पर कुछ। अब इन सबकी जांच एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय में हो सकेगी। पूरे देश में जोधपुर से उन्नत डीटीएल अब केवल ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद–दिल्ली में ही है।

होम्योपैथिक शिविर में 54 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की निःशुल्क जांच

दिनांक 14 अगस्त 2025 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा श्री शिवराम नत्थूजी टॉक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पूंजला में कक्षा 1 से 10 तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार मीना ने शिविर में अपनी सेवाएं दीं। शिविर में 54 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। शिविर में मौसमी बीमारियां, हाथ पैरों में फुंसियां होना, सिर में दर्द, बुखार, चक्कर आना, नाक से पानी आना, कान में दर्द एवं भूख न लगना, पेट में कीड़े, पेट में दर्द एवं उल्टी दस्त, चर्म रोग, रक्त की कमी, पेट में कब्ज़ होना जैसी बीमारियों की जानकारी एवं दवाइयां देकर लाभान्वित किया गया। साथ ही नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत बच्चों एवं शिक्षकों को नशामुक्ति के प्रति जागरुक किया गया और नशामुक्ति के लिये शपथ दिलाई गई।

विश्वविद्यालय में भव्य गौ संगोष्ठी का आयोजन

विश्वविद्यालय में 14 अगस्त 2025 को **पंचगव्य चिकित्सा–शास्त्र से चिकित्सा तक** विषयक एक भव्य गौ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की और मुख्य अतिथि के रूप में गौ विश्वविद्यालय, गुजरात के कुलपति आयुर्वेदाचार्य डॉ. हितेश जानी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र नागपुर के श्री सुनील मानसिंहका ने पंचगव्य चिकित्सा के गहन महत्त्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि पंचगव्य चिकित्सा हमारे पारंपरिक चिकित्सा विज्ञान का प्राण तत्त्व है। आज आवश्यकता है कि हम इसे केवल धार्मिक या सांस्कृतिक दृष्टिकोण से न देखें, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान और नैदानिक परीक्षणों के माध्यम से इसे विश्व स्तर पर मान्यता दिलाएँ। आयुर्वेद विश्वविद्यालय इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्य अतिथि डॉ. हितेश जानी ने अपने संबोधन में कहा कि गौ–आधारित चिकित्सा पद्धति न केवल स्वास्थ्य संवर्धन में सहायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि के लिए भी वरदान है। गुजरात और राजस्थान के आयुर्वेद विश्वविद्यालय मिलकर इस क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देंगे। विशिष्ट अतिथि श्री सुनील मानसिंहका ने अपने व्याख्यान में कहा कि पंचगव्य के पाँच तत्व–दूध, दही, घी, गौमूत्र और गोबर–प्रत्येक का विशेष औषधीय महत्व है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं। पंचगव्य घटकों के जीवाणुरोधी, विषाणुरोधी और प्रतिरक्षा–संशोधक गुण आधुनिक प्रयोगशालाओं में सिद्ध हो चुके हैं। "सरकार और शिक्षण संस्थानों को गौ चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए मिलकर काम करना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में आयुर्वेद विश्वविद्यालय और गौ विश्वविद्यालय, गुजरात के बीच संयुक्त रूप से एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जो दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान के पारस्परिक आदान–प्रदान पर केंद्रित होगा। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य प्रो चंदन सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन प्रो महेंद्र कुमार शर्मा, सीएचआरडी निदेशक डॉ राकेश कुमार शर्मा, अस्पताल अधीक्षक प्रो गोविंद गुप्ता, प्रो रितु कपूर, प्रो हरीश सिंघल, लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण एवं जन

कल्याण संस्थान, मोकलावास के सचिव राकेश निहाल, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, शोधकर्ता, छात्र उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

विश्वविद्यालय के संविधान पार्क में कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। अपने संबोधन में प्रो. प्रजापति ने आयुष चिकित्सा पद्धति के माध्यम से मानवता का उपचार करके राष्ट्र सेवा के महत्त्व पर बल दिया। इस अवसर पर डॉ. मनोज अदलखा,संपदा प्रभारी डॉ. अरुण दाधीच, प्रो. यशस्वी शाकद्वीपीय, डॉ. अजीत चारण, लाईब्रेरी अटेण्डेण्ट श्रीमती परमिन्दर कौर, कम्पाउण्डर श्री मधुबन सिंह और श्री ललित गुप्ता सहित कई अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कुलपति द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस समारोह में विश्वविद्यालय परिसर में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में पीजीआईए, यूसीएच, यूसीएनवाईएस के संकाय सदस्यों, शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ–साथ स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय श्रीवास्तव ने सुचारू रूप से किया।

यूनानी मेडिकल कॉलेज में समारोह पूर्वक मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी टोंक में दिनांक 15 अगस्त 2025 को 79 वां स्वतंत्रा दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कालेज के नोडल ऑफिसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा का स्वागत किया गया। उन्होंने यूनानी मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बग्गीखाना टॉक में ध्वजारोहण किया, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया।

इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कहा कि भारत का स्वतंत्रता दिवस जो प्रति वर्ष 15 अगस्त को मनाया जाता है. भारत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक हैं। यह एक गहरा, ऐतिहासिक व भावनात्मक महत्त्व रखता है। यह उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान संघर्ष एवं अटूट संकल्प का सम्मान करता है जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता हासिल करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें अपना कार्य अनुशासित होकर इमानदारी से करते हुए देश के विकास में सहयोग देना चाहिए और समाज की सेवा करनी चाहिए। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इरशाद खान, उप प्राचार्य डॉ. नाजिया शमशाद एवं चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. फिरोज खान ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में डॉ. सरफराज अहमद, डॉ. मो. अकमल, डॉ. अब्दुल मुजीब, डॉ. संजय गंजू, डॉ. सरफराज अहमद (टीएसटी), डॉ. अमजद सैफी, डॉ. जीशान अली, डॉ. अनीसुर्रहमान, डॉ. जावेद, डॉ. मुनाजिर, डॉ. राशिद अली, डॉ. मरगूब, डॉ. कमर, डॉ. मो. अज्ज़म, डॉ. दानिश, डॉ. आसिफ, डॉ. आसिफ, डॉ. साएमा, डॉ. युसरा, डॉ. मोमिन, डॉ. अब्दुल रब, डॉ. तारिक इत्यादि मौजूद रहे।

यूसीएच, केकड़ी में मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

स्वाधीनता दिवस की 79वीं वर्ष गांठ के अवसर पर 15 अगस्त 2025 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी के नवीन परिसर में नोडल अधिकारी डॉ. गोविंद प्रसाद गुप्ता के साथ प्राचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुनीत आर शाह द्वारा यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी के नवीन एवं पुराने भवन (दोनो) जगह ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के सभी चिकित्सा अधिकारी, शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक स्टाफ एवं समस्त छात्र–छात्राएं, मरीज तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी डॉ. गोविंद प्रसाद गुप्ता ने स्वतंत्रता की महत्ता बताते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा देश भक्ति से संबंधित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। अंत में प्राचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुनीत आर शाह ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी एवं सभी का आभार प्रकट किया।

सेमी–ऑनलाइन नाड़ी परीक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के ब्रोशर का विमोचन

दिनांक 18 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय में जोधपुर के माननीय विधायक श्रीमान अतुल भंसाली एवं कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के कर कमलों द्वारा

सेमी–ऑनलाइन नाड़ी परीक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के ब्रोशर का विमोचन किया गया। यह पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर क्रिया शरीर विभाग द्वारा सेमी–ऑनलाइन माध्यम से 10 सितंबर से 10 अक्टूबर 2025 तक संचालित किया गया।

इस अवसर पर विधायक महोदय ने विश्वविद्यालय को ऐसे पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर विधायक शिक्षा का साथी योजना के अंतर्गत आयुर्वेद विश्वविद्यालय की समयबद्ध कार्ययोजना के क्रम में एक बैठक का आयोजन किया गया। कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि आयुर्वेद की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को वैज्ञानिक रूप में प्रस्तुत करने का यह विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो वैश्विक स्वास्थ्य की दिशा में एक सार्थक कदम होगा। इस अवसर पर पूर्व कुलसचिव प्रो गोविंद सहाय शुक्ला, आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो महेंद्र कुमार शर्मा, कार्यवाहक प्राचार्य प्रो ए. नीलिमा, अस्पताल अधीक्षक प्रो गोविंद प्रसाद गुप्ता, डीन रिसर्च प्रो देवेंद्र चाहर, उप कुलसचिव डॉ. मनोज अदलक्खा, पाठ्यक्रम समन्वयक एसोसिएट प्रो डॉ. पूजा पारीक, डॉ. हेमंत मेनारिया, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. मनीष यादव एवं संकाय सदस्य उपस्थित थे। स्नातकोत्तर क्रिया शरीर विभागाध्यक्ष एवं पाठ्यक्रम नोडल अधिकारी प्रो दिनेश चंद शर्मा ने कहा कि नाड़ी परीक्षा आयुर्वेद की एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं पारंपरिक रोग निदान पद्धति है, जिसके माध्यम से शरीर में उपस्थित दोषों का आकलन कर चिकित्सा पद्धति को दिशा प्रदान की जाती है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 प्रतिभागी शामिल हुए, जिन्हें 3 सप्ताह तक ऑनलाइन सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके बाद विश्वविद्यालय परिसर में 7 दिनों का व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से आयुर्वेद स्नातकों, स्नातकोत्तर छात्रों, शिक्षकों और नाड़ी विज्ञान में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

यूनानी मेडिकल कॉलेज में वर्ल्ड मॉस्किटो दिवस के उपलक्ष में डेंगू फीवर पर सेमिनार आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक में दिनांक 20 अगस्त 2025 को वर्ल्ड मॉस्किटो दिवस के उपलक्ष्य में प्रीवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ डेंगू फीवर थ्रू यूनानी मेडिसिन विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. अभिमन्यु दासवानी, डिप्टी सीएमएचओ हेल्थ, टोंक रहे। सेमिनार में डॉ. सरफाज अहमद, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ मोआलेजात ने अपने व्याख्यान में डेंगू फीवर की रोकथाम एवं उसके यूनानी उपचार के बारे में व्यापकता से रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि डेंगू एक संक्रामक बीमारी है। इसका कारण डेंगू वायरस है जो एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, उल्टी और थकान होते है. डेंगू का बुखार लगभग 2 से 7 दिनों तक रहता है। डॉ. सरफराज ने कहा कि एडीज मच्छर ठहरे हुए पानी में पनपता है। ऐसे में ज़रूरी है कि हर समय पानी को ढककर रखें। घर पर या घर के आसपास पानी न जमा होने दें। डेंगू से बचाव के लिए स्किन को खुला न छोड़ें। फुल स्लीव्स के कपड़े पहनें और पैरों को ज्यादा ढकने वाले कपड़े पहनें। उन्होंने यूनानी में डेंगू फीवर की रोकथाम और इसके उपचार में प्रयोग होने वाली औषधीयों पर व्यापक चर्चा की।

मुख्य अतिथि डॉ. अभिमन्यु दासवानी ने डेंगू फीवर के बारे में व्यापक जानकारी देते हुए बताया कि सक्रिय रोकथाम से ही हम इसको कन्ट्रोल कर सकते हैं। दुनिया भर में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सीडीसी के अनुसार, 2024 में डेंगू के वैश्विक मामले इस कैलेंडर वर्ष में अब तक के सबसे ज़्यादा रहे हैं। प्राचार्य डॉ. मो. इरशाद खान ने सेमिनार में उपस्थित होने के लिए मुख्य अतिथि एवं अन्य सभी का आभार व्यक्त किया। सेमिनार में समस्त यूनानी संकाय सदस्य व छात्र उपस्थित थे।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने देश भर में आयोजित रचना शारीर शिक्षकों हेतु आयोजित विभिन्न सीमई में दिया विशेषज्ञ व्याख्यान

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर रचना शारीर विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने केन्द्रीय संस्था राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ द्वारा देश भर में विभिन्न संस्थाओं में आयोजित रचना शारीर के देश भर से चयनित शिक्षकों हेतु आयोजित कन्टीन्युइंग मेडिकल एजुकेशन (सीमई) में आमन्त्रित किये जाने पर सन्दर्भ वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किये। डॉ. शर्मा ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान–जयपुर, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान–गोवा एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री महिला आयुर्वेद महाविद्यालय, बिलासपुर जिला यमुनानगर (हरियाणा) में क्रमशः 25 अगस्त, 9 सितम्बर और 20 सितम्बर

2025 को ग्रन्थि शारीर, सन्धि शारीर, तन्त्र शारीर और रचना शारीर में शोध की वर्तमान सम्भावनाओं आदि विषयों पर अपने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किये।

राजकीय बालिका विद्यालय सरदारपुरा में संवाद कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 21 अगस्त 2025 को जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली एवं कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में विधायक शिक्षा का साथी योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय से विद्यालय की ओर (आयुर्वेद जीवन–शैली का संस्कार रूप सिंचन) कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में संवाद कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की गई जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य जागरुकता बढ़ाना और जीवनशैली से जोडना है। विशेष संवाद कार्यक्रम राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सरदारपुरा में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा ने आयुर्वेद एवं योग का स्वस्थ जीवनशैली में योगदान विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति नहीं बल्कि एक संपूर्ण जीवन जीने की कला है। संतुलित आहार, दिनचर्या, योगाभ्यास और ध्यान को अपनाकर हम न केवल स्वस्थ रह सकते हैं बल्कि अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी सुदृढ़ कर सकते हैं। योजना के शिक्षा विभागीय समन्वयक श्री अनिल दाधीच ने बताया कि आगामी दो सप्ताह तक विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ चयनित विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ संवाद करेंगे। इस अवधि में विद्यालयों में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य संरक्षण पर व्यवहारिक सत्र, योग प्रशिक्षण, विश्वविद्यालय भ्रमण तथा विद्यार्थियों की सहभागिता से आयुर्वेद प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय विकास समिति में विधायक प्रतिनिधि कविता गौड़ और जयश्री राठी ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में महिपाल सिंह क्षेत्रीय पार्षद, करण सिंह, सत्येन्द्र, विद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधायक शिक्षा का साथी योजना के अंतर्गत सेहत में योग के योगदान पर चर्चा

दिनांक 23 अगस्त 2025 को विधायक शिक्षा का साथी योजना के अंतर्गत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जालोरी गेट में विश्वविद्यालय से विद्यालय की ओर कार्यक्रम के तहत संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. अवधेश शांडिल्य ने आयुर्वेद एवं योग का स्वस्थ जीवनशैली में योगदान विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी दी।

विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से बी.एससी. नर्सिंग छात्रों के लिए प्लेसमेंट साक्षात्कार आयोजित

दिनांक 24 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से बी.एससी. नर्सिंग (आयुर्वेद) के छात्रों के लिए प्लेसमेंट साक्षात्कार आयोजित किया गया जिससे उन्हें गुलजाग इंडस्ट्रीज लिमिटेड में करियर के अवसर प्राप्त हुए।

प्लेसमेंट सेल के अध्यक्ष प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह की पहल न केवल छात्रों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय विविध क्षेत्रों के छात्रों के लिए करियर की संभावनाएँ प्रदान करने के अपने प्रयास जारी रखेगा। इस अवसर पर प्राचार्य पीजीआईए प्रो. चंदन सिंह, सदस्य सचिव व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. अरुण दाधीच, डॉ. अवधेश शांडिल्य और डॉ. अंकिता आचार्य (प्लेसमेंट सेल की सदस्य) उपस्थित थे। गुलजाग इंडस्ट्रीज लिमिटेड की ओर से निदेशक श्री नीलेश धूत, श्रीमती संध्या शर्मा और श्री कुणाल जोशी ने छात्रों के साक्षात्कार के माध्यम से चयन प्रक्रिया का संचालन किया।

इंडो–जर्मन यंग लीडर फोरम के बीच एमओयू

दिनांक 25 अगस्त 2025 को कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में, इंडो–जर्मन यंग लीडर फोरम के बीच एमओयू के तहत उद्यमिता और भारत–जर्मन सहयोग पर एक विचार–मंथन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. प्रजापति के नेतृत्व में

सहयोग और विकास के नए मार्ग प्रशस्त हुए। कार्यशाला में डॉ. विष्णु रामदेव, श्री आयुष निगम और श्री फ्लोरेंस रामेल के ज्ञानवर्धक व्याख्यान हुए। आरंभ में डॉ. संजय श्रीवास्तव ने इंडो–जर्मन मीट 2025 की रिपोर्ट का अनावरण किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार श्री अखिलेश पिपल, पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, डीन, आयुर्वेद प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, परीक्षा नियन्त्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, पीजीआईए, यूसीएच और यूसीएनवाईएस के संकाय सदस्यों के साथ–साथ पीजी और यूजी स्कॉलर्स भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर व्याख्यान एवं जागरुकता रैली

दिनांक 26 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय के एनईपी सारथी और एनईपी सेल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की अंतर्दृष्टि के साथ भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) पर प्रिंसिपल, पीजीआईए प्रो. चंदन सिंह, प्रिंसिपल यूसीएच प्रो. गौरव नागर, और प्रिंसिपल, यूसीएनवाईएस डॉ. चंद्रभान शर्मा, के साथ एक पैनल चर्चा का आयोजन किया एवं एनईपी 2020 पर जागरुकता रैली आयोजित की गई। मुख्य अतिथि कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने भाषण में कहा कि यह सत्र विद्वानों के आदान–प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिससे छात्रों, शिक्षकों और विशेषज्ञों के बीच एक समग्र और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली के निर्माण में आईकेएस की भूमिका पर जागरुकता और संवाद को बढ़ावा मिलता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य समकालीन शैक्षणिक ढांचे में आईकेएस की प्रासंगिकता पर विचार–विमर्श करना और एनईपी 2020 द्वारा परिकल्पित बहु–विषयक शिक्षा के भीतर इसके एकीकरण को उजागर करना था। अतिथि व्याख्यान के साथ, मारवाड़ी कैटेलिस्ट श्रीमती तमन्ना बोहरा ने स्टार्ट–अप के डिजिटलीकरण पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर यूजी और पीजी अध्येताओं के साथ–साथ तीनों संघटक कॉलेजों के संकाय सदस्य मौजूद थे।

विश्वविद्यालय की डॉ. कृष्णा ने योगासन में जीते चार गोल्ड मेडल

दिनांक 27 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय के स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग की पीजी अध्येता डॉ. कृष्णा शर्मा ने छठी राज्य स्तरीय योगासन योगासन इवेंट, फॉरवर्ड बेंड इंडिविजुअल इवेंट, ट्विस्टिंग इंडिविजुअल इवेंट, सुपाइन इंडिविजुअल इवेंट सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर चार गोल्ड मेडल जीते। प्रतियोगिता में सीनियर ए ग्रुप में ट्रेडिशनल छठी राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डबोक, उदयपुर में किया गया। गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी डॉ. कृष्णा शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में हुआ, जिसका आयोजन 11 से 14 सितम्बर को दुर्ग, छत्तीसगढ़ में किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, पीजीआईए के प्राचार्य प्रो चंदन सिंह, आयुर्वेद संकाय अधिष्ठाता प्रो महेंद्र कुमार शर्मा तथा स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो ए नीलिमा सहित संकाय सदस्यों ने शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय ने ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा लॉन्चपैड के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में, उद्यमिता और वित्त पोषण के विस्तार हेतु शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा का शिष्टाचार दौरा किया गया। इस अवसर पर, कुलसचिव श्री अखिलेश कुमार पिपल ने शारदा विश्वविद्यालय के बोर्ड सदस्यों और शारदा लॉन्चपैड के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ विचार–विमर्श किया। 27 अगस्त को, श्री अखिलेश कुमार पिपल ने शारदा लॉन्चपैड के निदेशक के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के दौरान, आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नवाचार प्रकोष्ठ की सदस्य सचिव प्रो. डॉ. यशस्वी शाकद्वीपीय और शारदा लॉन्चपैड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग पांडे भी उपस्थित थे। नवाचार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल ने बताया कि कुलसचिव ने शारदा विश्वविद्यालय के सुपर कंप्यूटर और एआई लैब,

फार्मेसी लैब, बिजनेस लैब और को–वर्किंग स्पेस का भी दौरा किया। यह कार्यक्रम मारवाड़ी कैटालिस्ट के सहयोग से आयोजित किया गया था।

विद्यालय में विश्वविद्यालय का संवाद कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 28 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं जोधपुर शहर के माननीय विधायक श्री अतुल अतुल भंसाली के मार्गदर्शन में विधायक शिक्षा का साथी योजना के अंतर्गत आयुर्वेद विश्वविद्यालय से विद्यालय की ओर (आयुर्वेद जीवन–शैली का संस्कार रूप सिंचन) कार्यक्रम के तहत संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, रातानाडा, जोधपुर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. मनाली त्यागी ने अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को "Immunity building by some changes in our daily routine" विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि छोटी–छोटी आदतें भी बड़े परिणाम ला सकती हैं। अगर हम अपनी दिनचर्या में संतुलित आहार, नियमित योग और पर्याप्त विश्राम को शामिल करें तो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता स्वतः ही सुदृढ़ हो जाएगी। कार्यक्रम का मंच संचालन श्री अनिल दाधीच द्वारा किया गया, जिन्होंने इस पहल को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता अरोड़ा ने आयुर्वेदिक जीवनशैली को विद्यार्थी जीवन में अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को जीवनभर के लिए स्वस्थ आदतें सीखने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर विद्यालय की लगभग 100 छात्राएँ एवं 7 शिक्षकगण उपस्थित रहे।

यूनानी मेडिकल कॉलेज में नवनियुक्त शिक्षकों एवं चिकित्सकों का स्वागत समारोह आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक में विभिन्न विभागों में असिस्टेंट व एसोसिएट प्रोफेसर एवं आवासीय चिकित्सा अधिकारी के पद पर कुल 15 नई नियुक्ति की गई। नवपदस्थापित शिक्षकों एवं चिकित्सकों का दिनांक 28 अगस्त 2025 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक के प्रांगण में भव्य स्वागत सह परिचय सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षकों ने चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था की बेहतरी के लिए अपने विचार भी साझा किए। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने इस अवसर पर सभी नवनियुक्त शिक्षकों एवं चिकित्सकों को बधाई दी एवं अपने संदेश में राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अपनी कक्षाओं में समर्पण, समावेशिता और नवाचार के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने अपने संदेश में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक को चिकित्सा शिक्षा में उत्कृष्टता के एक मॉडल के रूप में स्थापित करने में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्राचार्य डॉ. मो. इरशाद खान ने कहा कि यूनिवर्सिटी कालेज आफ यूनानी, टोंक विकास की नई गाथा लिख रहा है। अतः ऐसे में चयनित होकर आए नए शिक्षकों एवं चिकित्सकों की चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहेगी। डॉ. सरफराज अहमद ने बताया कि डॉ. जावेद आलम, डॉ. इमरान खान, डॉ. मो. शादाब, डॉ. जोहरा जबीं, डॉ. कमर–उल–इस्लाम, डॉ. दानिश, डॉ. एस. वली मोअज़्ज़म, डॉ. मंज़र अली, डॉ. मो. अलीम, डॉ. आयशा परवेज, डॉ. युसरा कुरैशी, डॉ. सदफ अम्बरीन, डॉ. मो. मुनाजिर, डॉ. मो.मोमिन, डॉ. अब्दुल रब ने अपने पद पर जॉइन कर लिया है। इस अवसर पर डॉ. सैयद अब्दुल मुजीब, डॉ. राशिद अली, डॉ. हिना जफर, डॉ. खतीब अहमद, डॉ. मोहम्मद अकमल, डॉ. सरफराज अहमद (टीएसटी), डॉ. अनीसुर रहमान, डॉ. मुश्तक अहमद, डॉ. मरगूब, डॉ. अमजद सैफी, डॉ शादमा इशरत, डॉ आसिफ अली खान, डॉ. साएमा इत्यादि समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में सीएचआरडी द्वारा यकृत रोगों का यूनानी चिकित्सा से प्रबन्धन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

दिनांक 1 सितंबर 2025 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी,

टोंक में सीएचआरडी द्वारा एक दिवसीय यकृत रोगों का यूनानी चिकित्सा के माध्यम से प्रबन्धन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। टोंक स्थित मौलाना अबुल कलाम आज़ाद अरबी फारसी संस्थान के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलगुरू प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने यूनानी चिकित्सा के माध्यम से यकृत् रोगों की प्रभावी चिकित्सा हेतु शोध किये जाने पर बल दिया। उन्होंने मौलाना अबुल कलाम आज़ाद अरबी फारसी संस्थान में उपलब्ध यूनानी चिकित्सा से सम्बन्धित ऐतिहासिक पाण्डुलिपियों पर शोध किये जाने हेतु यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी के शिक्षकों और छात्रों को प्रेरित किया। संगोष्ठी में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजकीय यूनानी महाविद्यालय, भोपाल से डॉ. मो. आरिफ ने भी यकृत रोगों के प्रबन्धन पर अपना विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक से भी डॉ. जावेद आलम, डॉ. दानिश एवं डॉ. अमजद सैफी ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री अखिलेश कुमार पिपल ने भी अपने विचार रखे। नोडल ऑफिसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने भी इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों और छात्रों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में कुलगुरू प्रो. प्रजापति का स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मो. इरशाद खां, उपप्राचार्य डॉ. नाज़िया शमशाद, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. फिरोज़ खां, डॉ. मोहम्मद अकमल, डॉ. सरफराज़ अहमद, डॉ. खतीब खां सहित अनेक संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे।

अपनी टोंक यात्रा के दौरान कुलगुरू ने कुलसचिव, नोडल ऑफिसर और महाविद्यालय के प्राचार्य, उपप्राचार्य और अन्य अधिकारियों के साथ बग्गीखाना चिकित्सालय में चल रहे जीर्णोद्धार और महाविद्यालय परिसर में चल रहे महिला छात्रावास के अतिरिक्त निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। कुलगुरू ने निरीक्षण के दौरान इन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु महत्त्वपूर्ण दिशानिर्देश दिये।

विदेशियों को आयुर्वेद से इलाज सिखाएंगे, विश्वविद्यालय में इंटर्नशिप करेंगे यूरोप के छात्र, पंचकर्म और क्षारसूत्र की लेंगे ट्रेनिंग

विदेशी संस्थानों से एमओयू के बाद पहली बार यहां विदेशी छात्रों की क्लीनिकल इंटर्नशिप शुरू हुई। इसकी शुरुआत यूरोप आयुर्वेद एकेडमी, पेरिस (फ्रांस) से हुई, जहां से आयुर्वेद अध्ययन कर रहा यूक्रेन का एक छात्र 15 दिवसीय इंटर्नशिप के लिए जोधपुर आया। यह प्रशिक्षण 1 सितम्बर से शुरू हुआ। जिसमें पंचकर्म, क्षारसूत्र, जलौका अवचारणा, औषधि निर्माण और प्रायोगिक अभ्यास शामिल रहे। उन्हें पंचकर्म सेंटर में क्लीनिकल ट्रेनिंग दी गई। विदेशी छात्रों की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए विश्वविद्यालय पंचकर्म सेंटर में ही प्रशासनिक विंग स्थापित करने की योजना बना रहा है, ताकि भविष्य में आने वाले छात्रों को किसी तरह की असुविधा न हो। विश्वविद्यालय ने एसोसिएशन आयुर्वेद एकेडमी (यूके) और इंडो जर्मन यंग लीडर्स फोरम (जर्मनी) के साथ एमओयू किए हैं। इनके तहत बीएएमएस कोर्स को हाइब्रिड मोड में पढ़ाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार और आयुष मंत्रालय से अनुमति प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके अगले चरण में नवम्बर में लगभग 15 छात्रों के एक बैच के क्लीनिकल इंटर्नशिप के लिए जोधपुर पहुंचने की सम्भावना है।

तेजा मेला 2025 में सात दिवसीय निःशुल्क होम्योपैथिक शिविर का शुभारंभ

तेजा मेला 2 अगस्त 2025 के अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी द्वारा आयोजित निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. पुनीत आर. शाह तथा शिविर प्रभारी डॉ. अंशुल चाहर ने बताया कि शिविर के प्रथम चार दिनों में ही लगभग 250 से अधिक मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयाँ वितरित की गईं। इस शिविर में महाविद्यालय के सभी चिकित्सकों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपनी सेवाएँ प्रदान कीं और मरीजों को स्वास्थ्य परामर्श के साथ आवश्यक दवाएँ उपलब्ध करवाईं।

आयुर्वेद व संस्कृत के समन्वयार्थ एमओयू आयोजित

विश्वविद्यालय एवं संस्कृत भारती, जोधपुर के बीच दिनांक 04 सितंबर 2025 को एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद एवं संस्कृत के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं भाषा संवर्धन के लिए

सहयोग स्थापित करना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल तथा संस्कृत भारती की ओर से अध्यक्ष तुलसी दास शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के अंतर्गत आयुर्वेद एवं संस्कृत से संबंधित पाठ्यक्रम विकास एवं कौशल संवर्धन कार्यक्रमों में सहयोग, शोध परियोजनाओं में पारस्परिक भागीदारी, शिक्षकों एवं छात्रों के आदान–प्रदान कार्यक्रम, शास्त्रों (विशेषतः वेद, आयुर्वेद, योग, ज्योतिष एवं वास्तु) के अध्ययन–अध्यापन हेतु संयुक्त प्रयास, शैक्षणिक सामग्री एवं संसाधनों का साझा उपयोग तथा अल्पकालीन पाठ्यक्रमों एवं कार्यशालाओं के आयोजन जैसे प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनी।

शिक्षक दिवस पर श्रद्धांजलि व पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पर अवसर विश्वविद्यालय परिसर स्थित संविधान पार्क में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महान शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन् के जीवन से प्रेरणा लेते हुए शिक्षा के मूल्यों को सुदृढ़ करना था।

विद्यार्थियों ने राधाकृष्णन् के जीवन पर आधारित पोस्टर बनाए तथा शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. राधाकृष्णन् के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों पर चर्चा हुई, जिससे छात्रों को उनके विचारों एवं शिक्षण दर्शन से रूबरू होने का अवसर मिला।

पर्यावरण संरक्षण की भावना को आगे बढ़ाते हुए इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के साथ मिलकर जामुन सहित कुल 20 पौधों का रोपण भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रेम कुमार, डॉ. नीरज शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. निकिता पंवार, डॉ. पूजा पारीक, डॉ. अचलाराम, डॉ. अवधेश, डॉ. दिव्या, डॉ. गौरीशंकर, डॉ. अनीता सहित अनेक शिक्षकगण एवं छात्र– छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक शिक्षा का साथी योजना के अंतर्गत आयुर्वेद विश्वविद्यालय से विद्यालय की ओर कार्यक्रम आयोजित

विधायक शिक्षा का साथी योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय से विद्यालय की ओर से आयुर्वेद जीवन–शैली का संस्काररूप सिंचन कार्यक्रम श्रृंखला के अन्तर्गत आयोजित हो रहे विशेष संवाद कार्यक्रम में दिनांक 6 सितम्बर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बासनी स्टेशन मे मुख्य वक्ता डॉ. सौरभ अग्रवाल, एसो प्रोफ़ेसर, स्नातकोत्तर विभाग, स्वस्थवृत्त एवं योग ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की पद्धति है। योग, संतुलित आहार और दिनचर्या को अपनाकर विद्यार्थी अपनी एकाग्रता, ऊर्जा एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं।

14 रिसर्च प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत, नैतिकता के मानकों पर हुई समीक्षा

विश्वविद्यालय में इंस्टिट्यूशनल एथिक्स कमिटी की दिनांक 9 सितम्बर को आयोजित मीटिंग में चेयरमैन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीकृष्ण खांडल तथा अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान दिल्ली के स्वस्थवृत्त विभागाध्यक्ष एसोसिएट प्रोफेसर शिव कुमार हारती, प्रो. एलएन बुनकर,, लीगल एडवाइजर मोहित चौधरी, प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रो. ए नीलिमा ने सहभागिता दर्ज कराई। आईईसी के सदस्य सचिव प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की ओर से 14 रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए। समीक्षोपरांत उचित सुझावों और दिशा–निर्देशों के साथ अधिकांश प्रोजेक्ट्स का अनुमोदन किया गया। बैठक में पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, पूर्व प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, संजीवनी आयुर्वेदिक चिकित्सालय के अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, रिसर्च डीन प्रो. देवेंद्र सिंह चाहर, उपकुलसचिव डॉ. मनोज कुमार अदलखा, प्रो. रितु कपूर सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

नाड़ी परीक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का उद्‌घाटन

विश्वविद्यालय द्वारा एक माह के सेमी–ऑनलाइन नाड़ी परीक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का उद्‌घाटन समारोह 10 सितम्बर को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) बनवारी लाल गौड़, पूर्व कुलपति, आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर ने उद्‌घाटन भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की एवं अपने आशीर्वचन प्रदान किए।

10 सितंबर से 10 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होने वाले इस एक माह के सेमी–ऑनलाइन नाड़ी परीक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में देश भर के विभिन्न राज्यों गोवा, पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के 30 प्रतिभागी प्रशिक्षण ले रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रो. (डॉ.) चंदन सिंह, प्राचार्य एवं निदेशक, पी.जी.आई.ए., जोधपुर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, प्रो.महेंद्र कुमार शर्मा, प्रो. गोविंद गुप्ता, प्रो. देवेन्द्र सिंह चाहर, प्रो. रितु कपूर, डॉ. मनोज अदलखा, श्री राकेश निहाल, प्रो. हरीश सिंघल एवं क्रिया शरीर विभाग के समस्त पी.जी. विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

विश्वविद्यालय में बालपंचकर्म प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू

स्नातकोत्तर विभाग कौमारभृत्य द्वारा सेमी–ऑनलाइन एक माह के बाल पंचकर्म प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 2025–26 का शुभारंभ 10 सितम्बर को किया गया। पाठ्यक्रम का उद्‌घाटन विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति एवं पूर्व कुलपति प्रो. वैद्य बनवारी लाल गौड़ ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली, बदलते परिवेश और खान–पान की असंतुलित आदतों के कारण बच्चों में रोगों की संख्या और जटिलताएं तेजी से बढ़ रही हैं।

विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

कायचिकित्सा विभाग एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कायचिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 10 एवं 11 सितम्बर 2025 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातकोत्तर विद्वानों एवं चिकित्सकों को कायचिकित्सा के परम्परागत सिद्धांतों एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ उनके समन्वय की व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना था। उद्‌घाटन सत्र का आयोजन पूर्व कुलपति प्रो. (वैद्य) बनवारी लाल गोड एवं वर्तमान कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. प्रजापति ने कहा कि आयुर्वेदीय चिकित्सा पद्धति में गहन अध्ययन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दोनों का विशेष महत्व है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से शोध एवं उपचार की दिशा में नए आयाम खुलते हैं। प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व कुलपति प्रो. (वैद्य) बनवारी लाल गौड़ ने दशविध परीक्ष्य भाव पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के प्रो. सन्तोष कुमार भट्टड़ ने मेदोरोग एवं प्रमेह विषय पर दो सत्रों में मार्गदर्शन दिया। संवाद सत्र के पश्चात प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के संजीवनी चिकित्सालय स्थित पंचकर्म एक्सीलेंस सेंटर का भ्रमण कराया गया, जहाँ स्नातकोत्तर पंचकर्म विभागाध्यक्ष प्रो. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने चिकित्सकीय प्रक्रियाओं का लाइव प्रदर्शन कराया। दूसरे दिन के मुख्य वक्ता चौधरी ब्रह्मप्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नई दिल्ली के सहायक आचार्य डॉ. जितेन्द्र वर्षा किया रहे, जिन्होंने मेदोरोग एवं बंध्यत्व पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र को प्रो. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने संबोधित करते हुए मेदोरोग की चिकित्सा पद्धति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन सत्र का आयोजन कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति एवं प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कुलगुरू महोदय ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल शैक्षणिक दृष्टि से उपयोगी है, बल्कि भविष्य के चिकित्सकों के लिए नैदानिक अनुभव का अमूल्य अवसर भी है। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में सम्पूर्ण भारतवर्ष से आए लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. जीतिका, डॉ. किरण (राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ), सभी संकाय सदस्य एवं स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में पंचगव्य थेरेपी कोर्स का उद्‌घाटन

विश्वविद्यालय में सर्टिफिकेट एवं पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन पंचगव्य थेरेपी कोर्स का विधिवत् वर्चुअल उद्‌घाटन 12 सितम्बर को कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा किया गया। यह कोर्स विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय से रिकॉगनाइज्ड सेंटर गौ संवर्धन आश्रम, मोकलावास के संयुक्त तत्वावधान में प्रारम्भ हुआ। उद्‌घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की। इस अवसर पर कमेटी चेयरमैन प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ला, प्रो. ए. नीलिमा,

डॉ. देवेंद्र चाहर, प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. मनोज अदलखा, श्री राकेश निहाल सहित अनेक गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। गौ संवर्धन आश्रम मोकलावास के संचालक श्री राकेश निहाल ने बताया कि इस कोर्स में गौ एवं पंचगव्य पदार्थ, उनके दैनिक जीवन एवं खेती में प्रयोग, रोगोपाचार, उत्पाद, औषधि निर्माण तथा गौशाला प्रबंधन जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे। इससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा और गौशालाओं के संचालन में विशेष सहयोग मिलेगा।

प्रोफेसर प्रजापति को दी विदाई, विश्वविद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक पद पर नियुक्त होने पर कुलगुरू पद से कार्यमुक्त होने पर एक भव्य सम्मान समारोह एवं विदाई कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार, शैक्षणिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय व नर्सिंग स्टाफ सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कुलगुरू प्रो. प्रजापति ने कहा कि विश्वविद्यालय में तीन वर्षों की मेरी यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक और आत्मीय रही। इस विश्वविद्यालय ने मुझे जितना स्नेह, सम्मान और सहयोग दिया, वह जीवनपर्यंत स्मरणीय रहेगा। मैं यहां के प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक, और अधिकारी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। राजस्थान की धरती से मिली इस ऊर्जा को अब मैं अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ाऊंगा। मुख्य अतिथियों एवं विशिष्टजनों ने भी अपने अपने वक्तव्यों के माध्यम से कुलगुरू को शुभकामनाएं दीं। प्रो. कमलेश कुमार शर्मा, प्रो–वीसी, ज्योति विद्यापीठ ने कहा की प्रो. प्रजापति जी का कार्यकाल नवाचार और नीतिगत स्पष्टता का परिचायक रहा। डॉ. वेद प्रकाश त्यागी, पूर्व चेयरमैन, सीसीआईएम ने कहा की आपकी विद्वत्ता और नेतृत्व से आयुर्वेद शिक्षाक्षेत्र को नई दिशा मिली। प्रो. महेश दीक्षित, कुलपति, कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ ने कहा की आपका समर्पण भाव अनुकरणीय है।

इस अवसर पर पूर्व होम्योपैथी डीन प्रो. जी. डी. दरयानी, प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, डीन आयुर्वेद संकाय, कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, प्रो. चन्दन सिंह, प्राचार्य, पीजीआईए, प्रो. गौरव नागर, प्राचार्य, यूसीएच, डॉ. चन्द्रभान शर्मा, प्राचार्य, बीएनवाईएस ने मंच साझा किया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नवप्रकाशित "International Journal of Research in AYUSH" के प्रथम अंक का विमोचन भी कुलगुरू के करकमलों द्वारा किया गया, जो विश्वविद्यालय की शोध–प्रवृत्तियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। गुलदस्ता, माल्यार्पण, अभिनंदन पत्र वाचन, एवं कुलगुरू की उपलब्धियों पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री ने इस कार्यक्रम को और भी भावनात्मक एवं गरिमामयी बना दिया। डीन महेंद्र कुमार शर्मा ने सभी आगंतुकों, प्रतिभागियों व आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। मंच संचालन डॉ आशा केपी ने किया।

प्रो. एम के आसेरी विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति नियुक्त

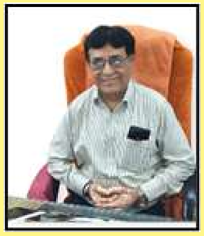

राजस्थान के माननीय राज्यपाल और कुलाधिपति श्री हरिभाउ बागड़े ने प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक पद पर नियुक्त होने पर कुलगुरू पद से कार्यमुक्त होने पर मारवाड़ मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. एम. के. आसेरी को विश्वविद्यालय का कुलगुरू नियुक्त किया। प्रो. आसेरी ने दिनांक 12 सितम्बर 2025 को कार्यवाहक कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

पूर्व कुलगुरु प्रो. प्रजापति ने संभाला अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक का पदभार

पूर्व कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक पद का दिनांक 13 सितंबर 2025 को विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा एक गरिमामय स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यभार ग्रहण के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षकों प्रो. देवेंद्र सिंह चाहर, प्रो. दिनेश चंद शर्मा, डॉ. मनोज कुमार अदलखा, डॉ. सौरभ अग्रवाल एवं डॉ. पूजा पारीक ने विशेष रूप से उपस्थित होकर पूर्व कुलगुरू को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं और उनके नवीन दायित्व हेतु सफलता की कामना की। इस अवसर पर पूर्व कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का निदेशक बनना मेरे लिए न केवल एक सम्मान है, बल्कि यह एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी है। मेरा लक्ष्य रहेगा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान, नवाचार तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप आगे बढ़ा सकूं। मैं पूरे समर्पण के साथ इस संस्थान को शोध, शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई

ऊंचाइयों तक पहुँचाने के लिए कार्य करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय के सहयोग और साथ से ही यह यात्रा संभव हो सकी है और आगे भी वह दोनों संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करेंगे।

विश्व आयुर्वेद परिषद् राजस्थान चिकित्सक प्रकोष्ठ की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

विश्व आयुर्वेद परिषद राजस्थान चिकित्सक प्रकोष्ठ जयपुर प्रांत के द्वारा 15 एवं 16 सितम्बर को दो दिवसीय राष्ट्रीय आयुर्वेद कार्यशाला एवं आरोग्य प्रदर्शनी का आयोजन खाटूश्यामजी, सीकर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने किया। श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पृथ्वीसिंह चौहान विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने की। बोर्ड आफ इंडियन मेडिसिन राजस्थान के रजिस्ट्रार डॉ सीताराम शर्मा, विश्व आयुर्वेद परिषद राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष डॉ राकेश कुमार शर्मा, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, सीकर के प्राचार्य महेन्द्र कुमार सोरठा, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय जयपुर के प्राचार्य डा. जगदीश प्रसाद बैरवा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभर से पधारे सैंकडों आयुर्वेद चिकित्सकों ने महाराष्ट्र के प्रसिद्ध नाडी वैद्य डॉ. विनायक तायड़े से नाडी परीक्षण और पुणे के विद्धकर्म विशेषज्ञ डॉ अमोल उत्तम बनसोडे से विद्धकर्म चिकित्सा का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला स्थल पर आमजन के लिए आरोग्य प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें आयुर्वेद की प्रमुख फार्मा कंपनियों की स्टॉल लगी। परिषद् के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि इस राष्ट्रीय आयुर्वेद कार्यशाला में देशभर के 400 आयुर्वेद चिकित्सकों को नाडी विज्ञान और विद्धकर्म का प्रशिक्षण दिया गया। विश्व आयुर्वेद परिषद्, राजस्थान द्वारा पूर्व में भी अग्निकर्म, पंचकर्म, मर्म चिकित्सा इत्यादि विधाओं पर कार्यशाला आयोजित की जा चुकी हैं। आयुर्वेद की प्राचीन लुप्त हो रही महत्वपूर्ण विधाओं को पुन स्थापित करने के लिए विश्व आयुर्वेद परिषद पिछले 27 वर्ष से प्रयासरत हैं। विश्व आयुर्वेद परिषद के चिकित्सक प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी एवं कार्यक्रम आयोजन अध्यक्ष डॉ. पवनसिंह शेखावत ने बताया कि आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) के नेशनल कमिशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन द्वारा इस कार्यशाला को 10 क्रेडिट पॉइंट देने की स्वीकृति दी गई है। उल्लेखनीय है कि आयुर्वेद चिकित्सकों को अपने पंजीयन नवीनीकरण के लिए प्रतिवर्ष 10 क्रेडिट पॉइंट हासिल करना आवश्यक हो गया है। जिससे इस कार्यशाला का महत्व और अधिक बढ गया। आयुष मंत्रालय के बोर्ड ऑफ इथिक्स एंड रजिस्ट्रेशन के ऑब्जर्वर द्वारा भी इस कार्यक्रम की मोनिटरिंग की गई। वहीं राजस्थान सरकार द्वारा कार्यशाला में भाग लेने वाले चिकित्सकों को ऑन–ड्युटी लीव प्रदान की गई। आयोजन सहसचिव डॉ. बाबूलाल बराला, संयुक्त सचिव डॉ. रामावतार शर्मा, सीकर विभाग संयोजक डॉ जितेंद्र कुमार वर्मा, जिला संयोजक डॉ. हरिराम कटारिया, डॉ. शंकरलाल शर्मा, डॉ. रमेश कस्वा सहित 40 से अधिक आयोजन समिति के सदस्यों ने इस ऐतिहासिक कार्यशाला के सफल आयोजन में सहयोग किया।

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. कृष्णा ने योगासन में जीता सिल्वर मेडल

स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग की पी.जी. अध्येता डॉ. कृष्णा शर्मा पुत्री राधेश्याम शर्मा ने छठी राष्ट्रीय स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में सीनियर ए ग्रुप में ट्रेडिशनल योगासन ग्रुप इवेंट में सिल्वर मेडल, ट्विस्टिंग बॉडी इंडिविजुअल इवेंट में ब्रोंज मेडल, सुपाइन इंडिविजुअल इवेंट में ब्रोंज मेडल प्राप्त किया। छठी राष्ट्र स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चौंपियनशिप का आयोजन 11–14 सितंबर को दुर्ग, छत्तीसगढ़ में किया गया। चार दिवसीय योगासन चैंपियनशिप में देशभर के 32 राज्यों से लगभग 1000 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपनी योग प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में चयनित उत्कृष्ट खिलाड़ियों को आगामी अंतरराष्ट्रीय योगासन चौंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। गत वर्ष भी डॉ. कृष्णा का चयन राष्ट्र स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चौंपियनशिप में हुआ था।

आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, आयुर्वेदिक आहार पर विशेष जागरुकता

10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत दिनांक 23 सितम्बर 2025 को विश्वविद्यालय के स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, पी.जी. आई.ए. द्वारा ग्राम केलावा कलां में एकदिवसीय स्वास्थ्य शिविर का

आयोजन 17 सितम्बर को किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को आयुर्वेदिक आहार एवं जीवनशैली के महत्व से अवगत कराना तथा व्यावहारिक स्तर पर स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान आवासीय चिकित्साधिकारी डॉ सूरज चौधरी, विभाग के स्नातकोत्तर अध्येता डॉ शिखा सिंह तरोलिया, डॉ सोनाली निकम ने उपस्थित ग्रामीणों को आयुर्वेदिक आहार के सिद्धांतों जैसे ऋतु अनुसार आहार, पथ्य–अपथ्य, एवं सात्विक भोजन की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, रोग–निवारण एवं स्वास्थ्य संरक्षण में आहार की महत्ता पर भी व्याख्यान दिया गया। विभाग की टीम ने ग्रामीणों को सरल भाषा में दैनिक जीवन में अपनाए जाने योग्य आयुर्वेदिक आहार नियमों की जानकारी दी। जैसे समय पर भोजन, स्थानीय एवं ऋतुजन्य आहार का उपयोग और भोजन को औषधि के रूप में ग्रहण करने की परंपरा आदि–आदि। पी.जी.आई.ए. प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित यह शिविर विभाग के उस संकल्प का प्रतीक है जिसके अंतर्गत आयुर्वेदिक आहार एवं जीवनशैली को जनमानस तक पहुँचाना हमारा उद्देश्य है। विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने कहा आयुर्वेद में आहार को महाभैषज्य कहा गया है। यह स्वास्थ्य संवर्धन और रोग निवारण दोनों में प्रमुख भूमिका निभाता है। इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से हम ग्रामीणों तक यही संदेश पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और दैनिक जीवन में आयुर्वेदिक आहार को अपनाने का संकल्प लिया।

सालवा कलां में स्वास्थ्य एवं कौशल विकास शिविर का आयोजन

स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग की ओर से 10वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में शिविर आयोजित किए गए। 18 सितम्बर को गोदग्राम सालवा कलां में स्वास्थ्य एवं कौशल विकास शिविर सम्पन्न हुआ, जिनमें 100 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया। इसमें विभाग के आर.एम.ओ. डॉ. राहुल कुमार सांवरिया, डॉ. प्रीति चौहान, डॉ. अशोक सेन, योग प्रशिक्षक श्यामलाल बिश्नोई, सुबोध शर्मा एवं श्रवण ने सक्रिय भूमिका निभाई। ग्रामीणों को आयुर्वेदिक आहार–विहार, योगाभ्यास एवं जीवनशैली की जानकारी देने के साथ–साथ कौशल विकास पर भी विशेष भाषण दिया गया। इसमें युवाओं को बताया गया कि आयुर्वेद फार्मेसी, कॉस्मेटिक्स व फूड प्रोसेसिंग में प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालयी बच्चों और युवाओं के लिए योग प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का प्रसार किया गया। स्थानीय उत्पादों के विपणन के लिए नए मार्ग बताए गए। ग्रामीणों ने इन जानकारियों में गहरी रुचि दिखाई और संकल्प लिया कि वे न केवल अपने जीवन में आयुर्वेद को अपनाएंगे बल्कि इससे जुड़े कौशल का उपयोग आत्मनिर्भरता और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए करेंगे।

विश्वविद्यालय में 3 नए पीजी कोर्सेज प्रारम्भ होने से अब सभी 14 विषयों में पीजी कोर्स संचालित

विश्वविद्यालय में 22 साल लंबी जद्दोजहद के बाद सभी 14 विषयों में स्नातकोत्तर (पीजी) कोर्स शिक्षा सत्र 2025–26 से शुरू हो गये हैं। नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) ने आयुर्वेद विश्वविद्यालय की अपील पर तीन नए विभागों में पीजी प्रारम्भ करने की अनुमति दी। साथ ही 18 सीटें भी आवंटित कर दी हैं। इसमें आयुर्वेद संहिता व मौलिक सिद्धांत विभाग और रोग निदान व विकृति विज्ञान विभाग में 6–6 सीटें आवंटित की हैं। वहीं शालाक्य तंत्र विभाग को नए नियमों से दो भाग कर नेत्र रोग चिकित्सा विभाग के लिए 3 और कर्ण, नासा एवं मुख रोग चिकित्सा के लिए 3 सीटें आवंटित की हैं।

विश्वविद्यालय में एक और देहदान

83 वर्षीय महावीर प्रसाद जैन का शनिवार 20 सितम्बर को प्रातः निधन हो गया। उनके बेटे चंद्रप्रकाश, पौत्र सिद्धांत व समाजसेवी अभिषेक चांदीवाल जैन ने उनकी देहदान का निर्णय लिया। उन्होंने देहदान काउंसलर मनोज मेहता से संपर्क करके जैन की पार्थिव देह को आयुर्वेद के छात्रों के अध्ययन व शोध के लिए विश्वविद्यालय के शरीर रचना विभाग में समर्पित की। बेटे चंद्रप्रकाश ने बताया कि उनके पिता ने सेवानिवृति के पश्चात अपना संपूर्ण समय गरीब व असहाय बाफना व्यक्तियों की सेवा में समर्पित कर दिया था और पिछले 23 वर्षों से निःस्वार्थ सेवा अस्पताल में देते रहे हैं। विश्वविद्यालय के शरीर रचना विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में यह अब तक का 9 वां देहदान है। देहदान के अवसर पर पारस मल, इन्द्र कुमार, नवीन सबलावत, दीपक गोधा, निखिल डूंगावत, विनय जैन सहित परिवार व जैन समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आयुर्वेद दिवस पर आयुर्वेद फॉर पीपल एंड प्लेनेट थीम पर विविध कार्यक्रम आयोजित

स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग में 10 वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इस वर्ष

की थीम आयुर्वेद फॉर पीपल प्लेनेट रही, जिसमें आयुर्वेद को व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ–साथ पर्यावरण संतुलन प्रकृति संरक्षण से जोड़ने का संदेश दिया गया। 19 सितम्बर को पेपर प्रेजेंटेशन में पीजी

स्कॉलर्स के निर्देशन में यूजी एंड और विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियाँ दीं, जिसमें 250 से अधिक विद्यार्थी व अध्यापक शामिल हुए। इसी दिन संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए, जिनमें 300 से अधिक लोगों ने भागीदारी की। 20 सितम्बर को क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें 170 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह और विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए।

कार्यवाहक कुलगुरु प्रो. एमके आसेरी की अध्यक्षता में आयुर्वेद दिवस मनाया गया

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में दसवाँ आयुर्वेद दिवस अत्यंत उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग तथा स्नातक छात्रसंघ के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं स्लोगन मेकिंग जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों और आधुनिक समाज में इसकी प्रासंगिकता को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य आयुर्वेद जागरुकता रैली से हुई, जो भरद्वाज भवन से प्रारंभ होकर संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय तक निकाली गई। इस रैली में विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लिए हुए समाज में स्वास्थ्य जागरुकता का संदेश फैलाया। नशा मुक्ति यूनिट प्रभारी प्रो. रितु कपूर के निर्देशन में "नशा मुक्त युवा विकसित भारत की परिकल्पना को सार्थक बनाने हेतु युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। इस गरिमामयी आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलगुरू डॉ. एम.के. आसेरी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आयुर्वेद के वैश्विक प्रसार, नवाचार और अनुसंधान की आवश्यकता पर बल देते हुए छात्रों को परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का प्रतिवेदन पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयुर्वेद दिवस पर दिए गए प्रेरक संदेश का वाचन प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला ने किया। आयुर्वेद संकाय अधिष्ठाता प्रो. महेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित

समस्त अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित शारदीय पंचकर्म चिकित्सा शिविर का भी उद्घाटन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. ज्ञानप्रकाश शर्मा ने बताया कि यह शिविर आमजन में ऋतुचर्या व पंचकर्म की उपयोगिता को जागरुक करने हेतु प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम संचालन डॉ. खुशबू कुमावत ने किया।

पूर्व कुलपति धन्वंतरि अवार्ड से सम्मानित

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, गोवा में आयोजित 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के समारोह में आयुर्वेद जगत की प्रतिष्ठित विभूति प्रो. वैद्य बनवारीलाल गौड़ को धन्वन्तरि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के अंतर्गत उन्हें पांच लाख की राशि, उत्तरीय वस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान–पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान गोवा के माननीय राज्यपाल पूसापति अशोक गजपतिराजू, मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव, श्रीपाद येशो नायक, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा तथा अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामय उपस्थिति में प्रदान किया गया। केंद्रीय आयुष मंत्रालय की ओर से बताया गया कि यह सम्मान प्रो. गौड़ के आयुर्वेद शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान व लेखन के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। प्रो. गौड़ राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के पूर्व निदेशक एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति रहे हैं।

केलावा कला गांव में विशाल नशा मुक्ति एवं त्वक् रोग चिकित्सा शिविर आयोजित

गोद ग्राम केलावा कला में 25 सितम्बर को अगदतंत्र विभाग द्वारा नशा मुक्त युवा एवं नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक विशाल नशा मुक्ति चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विश्वविद्यालय की नशा मुक्ति यूनिट प्रभारी प्रो. रितु कपूर के निर्देशन में किया गया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सकों की विशेष टीम ने अफीम, डोडा, स्मैक, तंबाकू, सिगरेट आदि जैसे व्यसनों से ग्रस्त कुल 62 रोगियों की जांच की तथा उन्हें आयुर्वेद आधारित निःशुल्क औषधियाँ वितरित की गईं। रोगियों को नशा छोड़ने हेतु मार्गदर्शन भी प्रदान किय। अपने व्याख्यान में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रवीण प्रजापत ने ग्रामीण जनसमूह को नशे के

दुष्परिणामों, उससे होने वाले शारीरिक और मानसिक प्रभावों, रोकथाम के उपायों एवं आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के माध्यम से नशा मुक्ति की संभावनाओं पर बताया। शिविर के अंत में श्री केलावा धाम के मठाधीश श्री नरेंद्र गिरी ने विश्वविद्यालय की चिकित्सा टीम का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयुर्वेदिक नशा मुक्ति शिविर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को एक नई दिशा प्रदान कर सकते हैं। ऐसे प्रयास समाज के लिए अत्यंत सराहनीय हैं।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा प्रॉग (चैक गणराज्य) में आयोजित वर्ल्ड हैल्थ कॉन्फ्रेन्स–2025 में भाग लेने हेतु रवाना

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर रचना शारीर विभाग में

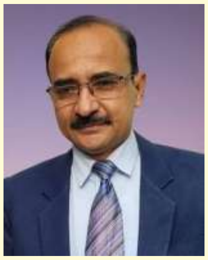

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा 3 से 5 अक्टूबर 2025 तक चैक गणराज्य की राजधानी प्रॉग में आयोजित हो रही वर्ल्ड हैल्थ कॉन्फ्रेन्स में भाग लेने हेतु दिनांक 30 सितम्बर 2025 को रवाना हुए। उक्त कॉन्फ्रेन्स का आयोजन इन्स्टीट्यूट ऑफ ट्रेडिशनल, कॉम्प्लिमेन्ट्री एण्ड इन्टेग्रेटेड मेडिसिन (ITCIM), प्रॉग द्वारा किया जा रहा है। डॉ शर्मा उक्त संस्था के निदेशक डॉ. थॉमस फॉइफर के निमन्त्रण पर कॉन्फ्रेन्स में भाग लेने हेतु गये हैं। डॉ. शर्मा प्रॉग के अतिरिक्त जर्मनी के फ्रेन्कफर्ट, हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट और ऑस्ट्रिया की राजधानी वियेना भी जाएंगे।

विश्व गर्भनिरोधक दिवस पर मण्डोर गार्डन में जागरुकता शिविर का हुआ आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा विश्वगर्भनिरोधक दिवस पर 26 सितम्बर 2025 को एक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें होम्योपैथी विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राकेश कुमार मीना एवं सहायक कर्मचारी विजय देवड़ा द्वारा मण्डोर गार्डन, जोधपुर में लगभग 138 लोगों को गर्भनिरोधक के प्रति जागरुक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि विश्व गर्भनिरोधक दिवस का दिन लोगों को गर्भनिरोध के बारे में जागरुक करने और यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। गर्भनिरोध के कई अलग–अलग तरीके हैं, जिन्हें पुरुष और महिला दोनों इस्तेमाल कर सकते है। पुरुषों के लिए कंडोम एवं पुरुष नसबंदी एवं महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक गोलियां एवं गर्भनिरोधक इंजेक्शन के रूप में महिला नसबंदी के उपाय उपलब्ध हैं।

होम्योपैथी महाविद्यालय, जोधपुर में प्रीच होम्योपैथी द्वारा एक दिवसीय शैक्षणिक सत्र का हुआ आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर महाविद्यालय में प्रीच होम्योपैथी द्वारा एक दिवसीय शैक्षणिक सत्र का सफल आयोजन 27 सितम्बर को सुश्रुत सभागार में किया गया। कार्यशाला का शुभांरभ होम्योपैथी महाविद्यालय जोधपुर के नोडल अधिकारी प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता, प्राचार्य प्रो. गौरव नागर एवं आमंत्रित अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यशाला का मंच संचालन डॉ. निशा सिसोदिया एवं डॉ. मनाली त्यागी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं में डॉ. दीदार सिंह ने इस शैक्षणिक सत्र के अन्तर्गत आमजन को होम्योपैथी की उपयोगिता, प्रभावशीलता एवं जीवनशैली से जुडे. रोगों के निराकरण में इसकी भूमिका के बारे में बताया। साथ ही, डॉ. दीपजोत कौर ने अपने प्रेरणादायी व्याख्यान ने श्रोताओं में नई जागरुकता और उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित प्रतिभागियों ने इस विचारधारा की सराहना की और होम्योपैथी के चिकित्सकीय महत्व को समझने का संकल्प लिया। कार्यशाला में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रश्नोत्तर सत्र में अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर प्रतिभागियों को नवीनतम अनुसंधान एवं होम्योपैथी चिकित्सा की संभावनाओं से अवगत कराया गया। समापन सत्र में होम्योपैथी महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. गौरव नागर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

संरक्षक	उप संरक्षक	सम्पादक
प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल	श्री अखिलेश कुमार पिपल (RAS)	डॉ. राकेश कुमार शर्मा
कुलगुरू	कुलसचिव	निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र

सह–सम्पादक

डॉ. हरीश कुमार सिंघल
प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान

डॉ. भानुप्रिया चौधरी
एसोसियेट प्रोफेसर, काय चिकित्सा

डॉ. हेमन्त कुमार
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग

डॉ. अशोक कुमार यादव
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone : 0291-2795312, Fax : 0291-2795300
E-mail : rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website : https://rauonline.in

स्वामी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा भण्डारी प्रिन्टसिटी, 23-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया गली नं. 1, न्यू पावर हाउस के पीछे, डीजल शेड, जोधपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ

प्रिण्टेड बुक

सेवा में

....

....

....

....